Quest Journals
Journal of Software Engineering and Simulation
Volume 8 ~ Issue 5 (2022) pp: 52-57
ISSN(Online) :2321-3795 ISSN (Print):2321-3809
www.questjournals.org

Research Paper

माध्यमिकस्तर के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रममेंस्वास्थ्य शिक्षा की वर्तमानस्थिती

Mrs. Meenakshi Srivastava, *Research scholar, CMP College Prayagraj*
Dr. Priya SoniKhare, *AssisitantProfessor ,CMP College Pragayraj*

प्रस्तुत अध्ययन माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रममेंस्वास्थ्य शिक्षा की वर्तमानस्थिती का पता लगाने के लिए कियागयाहै अध्ययन हेतुविश्लेषणात्मकविधि एवंसर्वेक्षणविधि साक्षात्कारविधि का प्रयोगकियागयाहै इस अध्ययन के अंतर्गत एनसीईआरटी की कक्षा 9कक्षा10 कक्षा 11 कक्षा 12 की पुस्तकों के पाठ्यक्रमतथापाठ्यसहगामीक्रियाओं का अध्ययन कियागया अध्ययन का मुख्य उद्देश्य एनसीईआरटी की कक्षा 9 कक्षा 10 कक्षा 11 कक्षा 12 के पाठ्यक्रममेंवर्तमान समय मेंस्वास्थ्य शिक्षा कोकितनास्थानदियागयाहैतथापाठ्यसहगामीक्रियाओं के अंतर्गतस्वास्थ्य शिक्षा से संबंधितकितनीगतिविधियोंकराईजातीहैइनकीजांचकरनाहै।

***R**eceived 12 May, 2022; **R**evised 24 May, 2022; **A**ccepted 26 May, 2022 © The author(s) 2022.*
P**ublished with open access at **www.questjournals.org

प्रस्तावना

आज की शिक्षा का तात्पर्यगत शताब्दियों से भिन्नहै।पहलेसमाजहितपरविशेष ध्याननहींदियाजाताथा।शिक्षा का तात्पर्यव्यक्ति के विकास से ही समझा जाताथा इस विकास का साधन समय समय परबदलतागया 16 वीं शताब्दीतकप्राचीनसाहित्य मेंनिपुणताप्राप्तकरनाहीउत्तमसाधनमानाजाताथा।वैज्ञानिकपुट का समावेशहमें 17 वीं शताब्दी से मिलताहैपरउसकाविशेषमहत्वनहींहैप्राचीनसाहित्य से हटकर धीरे धीरेवे शताब्दीमेंआधुनिकभाषाओंप्राकृतिकविज्ञानतथा गणित आदिपर बल दियागया 19 वीं शताब्दीमेंवैज्ञानिकविषयोंको प्रधानतादीगयीअबशिक्षा का कार्यकेवलव्यक्तित्व के विकास से ही न था।समाजहितभीउसकीटक्करमेंआगयाथाविज्ञान के विकास से जीवन क्षेत्र बहुतहीविकसितहोगयाभांतिभांति की सामाजिकसंस्थाओं की स्थापना की जानेलगी शासनप्रबंध की पगड़ीप्रजातंत्र के सिरपरबांधीगयी, नागरिकता का विज्ञापनगलाफाड़ फाड़करकियाजानेलगा, अबशिक्षण के आगेसमस्याथीकिव्यक्तिऔरसमाजहितमेंसामंजस्य कैसेस्थापितकियाजाए समस्यासरल न थी।व्यक्ति की स्वतंत्रताऔरउसकेव्यक्तित्व की पूरीतरह रक्षा करनाऔरसाथहीसाथसमाज की भी सब प्रकार से दृढ़ बनानाथाव्यक्ति की रूचियों का भीआदरकरनाऔरउसकेउद्योगको इस प्रकारउपयोगकरनाभीव्यक्तिऔरसमाजहितमेंसामंजस्य न आजाए फलतशिक्षा का तात्पर्यव्यक्ति के व्यक्तित्व के विकास के साथनागरिकता के गुणोंकोभीव्यक्तिमेंउत्पन्नकरनाथावर्तमान युगमेंसभीप्राचीनशिक्षा विशेषज्ञों की शिक्षा परिभाषाओं से हमेंशिक्षा की उपयोगितापरहीमिलताहै उन मेंहमेंमानववैज्ञानिकवैज्ञानिकतथालोकसंग्रहवाद के सभी प्रधानआदर्शों का समावेशमिलताहै ।

भारतीय माध्यमिक शिक्षा का वर्तमान रूपब्रिटिशशिक्षा व्यवस्था की देनहैं।जिसकीआधारशिलासन 1954 मेंगुड़ की घोषणापत्र के द्वारा रखीगयीथी उस समय संभ्रांतवर्ग के कुछचुनेहुए छात्रों के लिए माध्यमिक शिक्षा की व्यवस्थाकरने की बातकहीगईथी।तब से लेकरअबतक माध्यमिक शिक्षा के स्वरूपमेंअनेकछोटेछोटेपरिवर्तनआए हैं कक्षा नौ से कक्षा 10 की शिक्षकों ने माध्यमिक शिक्षा कहतेहैं एवं कक्षा 11 से कक्षा 12 तक की शिक्षा कोउच्च माध्यमिक शिक्षा कहाजाताहै माध्यमिक शिक्षा के अत्यधिकमहत्वपूर्णहोने के तीनप्रमुख कारणप्रथमकारणहै माध्यमिक शिक्षा सामान्य शिक्षा की परिसमाप्तिहै। द्वितीय कारणहै माध्यमिक शिक्षा रोजगारतथा जीवन यापन के क्षेत्र के प्रवेश द्वार खोलतीहै एवंकिसीभीराष्ट्र के मानव शक्ति का एक बहुतबड़ाभाग माध्यमिक शिक्षा के स्तर से हीप्राप्तहोताहै।तृतीय माध्यमिक शिक्षा प्राथमिकशिक्षा ,व उच्चशिक्षा स्तरों की गुणवताको निर्धारितकरतीहै।इसीप्रकार से विश्वविद्यालय औरमहाविद्यालयोंतथाउच्चशिक्षा केंद्रों के लिए छात्रों की पूर्ति का कार्यभी माध्यमिक शिक्षा करतीहैवास्तवमेंप्रत्येकस्तर की शिक्षा के लिए माध्यमिक शिक्षा आधार का कार्यकरतीहै।स्पष्टहैइनतीनों की दृष्टि से माध्यमिक शिक्षा स्तरदेश की संपूर्णशिक्षा व्यवस्थाकोसंभालतीहैराष्ट्र की सुदृढ़ता के लिए अत्यंतआवश्यक हैकिहमारेदेशमें माध्यमिक शिक्षा संपूर्णशिक्षा क्रम की एक मजबूतकड़ीहो।पाठ्यक्रम अध्यापक के विचारोंकोछात्रोंतकपहुंचाने का प्रमुख साधनहै।छात्रोंतथा अध्यापकों के बीचवैचारिकतादात्मय स्थापितकरनेमेंपाठ्यक्रम एक महत्वपूर्णभूमिकाअदाकरताहै

पाठ्यक्रम' शब्दअंग्रेजीभाषा के 'करीक्यूलम' शब्द का हिन्दी रूपान्तरहै। 'करीक्यूलम' शब्दलैटिनभाषा से अंग्रेजीमेंलियागयाहैतथा यह लैटिन शब्द 'कुर्रेर' से बनाहै। 'कुर्रेर' का अर्थहै 'दौड़ का मैदान'।करीक्यूलम' वहक्रमहैजिसेकिसीव्यक्तिकोअपनेगन्तव्य स्थानपरपहुँचने के लिए पारकरनाहोताहै।

उचितपाठ्यक्रम के अभावमेंशिक्षा प्रक्रियाअपंगहोजातीहैतथाशिक्षा के निर्धारितउद्देश्यों की प्राप्तिकभीभीसंभवनहींहोपाती।वास्तवमेंपाठ्यक्रमबालकों के सर्वांगीणविकास के लिए आवश्यक अनुभवों का एक संकलन मात्र है। माध्यमिक शिक्षा का पाठ्यक्रमअपने शासनकाल से हीआलोचना का प्रमुख विषय रहाहैब्रिटिश शासकों के द्वाराअपनेनिहितराजनीतिकस्वार्थों की पूर्ति के लिए बनाए गए पाठ्यक्रमकोथोड़ाबहुतपरिवर्तन के साथअभीभी माध्यमिक कक्षाओंमेंपढ़ायाजारहाहैवर्तमानपाठ्यक्रमसंकुचित एकांगीसैद्धांतिकअनुपयोगीतथाअव्यावहारिकहोने के साथसाथपरीक्षा केंद्रभीहै।मुदालियरआयोग ने 1952– 53 मे माध्यमिक शिक्षा के पाठ्यक्रमकोअत्यंतसंकुचितपुस्तकीय बोझिल अमनोवैज्ञानिकपरीक्षा केंद्रतथातकनीकी व व्यावसायिकज्ञान से रहितबतायाथा इस आयोग ने पाठ्यक्रमकोअनुभवों की समग्रताविविधता व लोचनी यतासमुदाय केंद्रितअवकाशोपयोगीतथा सह संवर्धनजैसेसिद्धांतों के आधारपरतैयारकरने का सुझाव दियाथा।कोठारीआयोग ने 1964 –66 का विचारथाकिज्ञान के विस्तारतथाभौतिकस्वास्थ्य जीवविज्ञान व समाजस्वास्थ्य के बदलतेप्रत्याशियोंको देखतेहुए स्कूलपाठ्यक्रममेंव्यापकपरिवर्तनलानाआवश्यक है।कोठारीआयोग ने स्कूलपाठ्यक्रमकोसंकुचितविचारधारापरआधारित समय प्रतिकूलपुस्तकीय परीक्षा आधारितप्रतियोगितात्मककार्य व अनुभवों से रहितमानव जीवन से असंबंधिततथावांछित रूचियों दृष्टिकोणों व मूल्योंकोविकसितकरनेमेंअसमर्थबतातेहुए उसकीकटुआलोचना की थी।राष्ट्रीय शिक्षा नीती 1968 के क्रियान्वयन की दिशामेंकार्यकरने के लिए भारतसरकार ने शिक्षा मंत्रालय ने सन 1973 में एक विशेषज्ञसमिति का गठनकियाजो 10+ 2 स्तर के पाठ्यक्रममेंसुधार के सुझाव दें इस समिति द्वारा कक्षा 10 तक के पाठ्यक्रमपरतैयारदिशापत्र परदिल्लीमेंसन 1975 मेंआयोजितराष्ट्रीय पाठ्यक्रमकॉन्फ्रेंसमेंविचारविमर्शकियागया।तबराष्ट्रीय शैक्षिकअनुसंधान एवंप्रशिक्षणपरिषद ने सन 1975 में द कैरिकुलमफॉर द 10 इयर्सस्कूलनामकदस्तावेजतैयारकिए।राष्ट्रीय शैक्षिकअनुसंधान एवंप्रशिक्षणपरिषद एनसीईआरटी ने सन 1976 मे कक्षा 10 तक के लिए पाठ्यचर्यातथापाठ्यक्रमपुस्तकेंतैयार की एनसीईआरटी द्वारापाठ्यक्रमतथापाठ्यचर्या की आलोचनाअनेकआधारोपर की गईविषयों की अधिक संख्या तथाकार्यअनुभवकोउचितस्थान न दियाजाना इस आलोचना के मुख्य मुददेथे।उपरोक्तवर्णितकार्यक्रमसमिति ने +2 स्तर की शिक्षा के व्यवसायीकरण के संदर्भमेंभी एक मॉडल रूपरेखा तैयार की जिसपरसन 1976 मेंआयोजित की गईराष्ट्रीय कांग्रेसमेंविचारकियागयाथा।तबराष्ट्रीय शैक्षिकअनुसंधान एवंप्रशिक्षणपरिषद एनसीईआरटी, हायरसेकेंडरी एजुकेशन एंडइट्सवोकेशनलनाइजेशननामकदस्तावेजतैयारकरकेप्रशासितकियागया।राष्ट्रीय शैक्षिकअनुसंधान एवंप्रशिक्षणपरिषद एन सीईआरटी के प्रयास के द्वारातैयारकिए गए हैं 10+2 स्तर के पाठ्यक्रम की आलोचना की मुखरहोनेपरभारतसरकार ने कक्षा 10 तक के कार्यक्रम की समीक्षा के लिए ईश्वरभाईपटेल की अध्यक्षतामेंराष्ट्रीय स्तर के पाठ्यक्रम की समीक्षा के लिए मॉलकाम एस आदिशैय्या की अध्यक्षतामेंसन 1977 मेंदोपाठ्यक्रमसमीक्षा समितियों का गठनकिया।इनसमितियोंकोक्रमशः पटेलसमितितथाआदिशैय्या समिति के नाम से भीजानाजाताहै।।पटेलसमिति ने पाठ्यक्रमनिर्माणमेंवास्तविकता व लोचनीयतापर बल दियाजिससेपाठ्यक्रमकोस्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूपढालाजासके। इस समिति ने पाठ्यक्रम के मानविकीविज्ञानतथासमाजोपयोगीउत्पादककार्य एसयूपीडब्ल्यूकोस्थानदेने की सिफारिशकी।राष्ट्रीय शैक्षिक एवंप्रशिक्षणपरिषद एनसीईआरटी ने सन 1983 से स्कूलपाठ्यक्रम के पुनर्मूल्यांकन का कार्यप्रारंभकियातथाविचार के उपरांतराष्ट्रीय पाठ्यक्रम की आवश्यकतापरजोरदिया एनसीईआरटी ने 1985 नामकदस्तावेजतैयारकिया।समानता ,राष्ट्रीय पहचान, वैचारिकस्वभावकला व सृजनशीलता, ज्ञान की वृद्धि, अनुगमनतकनीकीकार्य व शिक्षा का परस्परसंबंध मूल्य शिक्षा तथावातावरणसंसाधन व जनसंख्या जैसेसामाजिकसांस्कृतिककारकों एवंछात्र केंद्रितस्कूलदायित्वतथाअधिगमपर बल जैसे शैक्षिककारकोंको ध्यानमें रखकर यह राष्ट्रीय पाठ्यक्रमतैयारकियागयाथा।कोरपाठ्यक्रमवास्तवमेंशिक्षा की राष्ट्रीय प्रणाली की दिशामें एक समग्रप्रयासहै।।।नईशिक्षा नीति के संकल्पोंको ध्यानमें रखतेहुए राष्ट्रीय शैक्षिक एवंप्रशिक्षणपरिषद एनसीईआरटी ने सन 1988 में कक्षा 9तथा कक्षा 10 की पाठ्यचर्याभीप्रस्तुतकी।सन 1988 के उपरांतकाफी समय तक इस पाठ्यक्रम की समीक्षा न होसकीतबपीओए कार्यान्वयनकार्यक्रम 1992 के संकल्पोंको ध्यानमें रखकर एनसीईआरटी के द्वारासन 2000 मैंनेशनलकार्यक्रमफ्रेमवर्कफॉरस्कूल एजुकेशनतैयारकियागया।स्वास्थ्य शिक्षा का मुख्य उद्देश्य प्रत्येकनागरिकमें शारीरिकऔरमानसिकस्वास्थ्य की प्राप्ति के प्रतिजागरूकतापैदाकरनाहै।

*स्वास्थ्य शिक्षा के अन्तर्गत**पर्यावरण** का स्वास्थ्य, दैहिकस्वास्थ्य सामाजिकस्वास्थ्य, भावात्मकस्वास्थ्य, बौद्धिक स्वास्थ्य, तथाआध्यात्मिकस्वास्थ्य सभीआजातेहैं।स्वास्थ्य शिक्षा ऐसासाधनहैजिससेकुछविशेष योग्य एवंशिक्षितव्यक्तियों की सहायता से जनताकोस्वास्थ्य संबंधीज्ञानतथा**औपसर्गिक** एवंविशिष्टव्याधियों से बचने के उपायों का प्रसारकियाजासकताहै।*

इसकेलिए स्वास्थ्य रक्षा के नियमों से लोगोंकोपरिचितकरानाउसकीमहत्ताको समझानाऔरउनमेंजागरूकतापैदाकरकेस्वास्थ्य शिक्षा के कार्यक्रमोंको एक आंदोलन के रूपमेंजन–जनतकफैलानाहै।इससेराष्ट्र का भीहितहोगा एवंजनसाधारणऔरराष्ट्रहितमें यह आवश्यक भीहोगा।छात्रों के पाठ्यक्रममेंस्वास्थ्य शिक्षा का स्थानअत्यंतमहत्वपूर्णहैक्योंकिस्वास्थ्य शिक्षा के पाठ्यक्रममेंरहने से वेविभिन्नप्रकार के कौशलोंकोअपनीस्वास्थ्य कोबेहतरबनानेमेंप्रयोगकरसकतेहैंस्वास्थ्य शिक्षा के द्वाराछात्र अपनेस्वास्थ्य के प्रतिज्ञानतोप्राप्तकरतेहीहैंसाथहीसाथ उनके अंदरअभिवृत्तियों एवंअभियंताओं का भीविकासहोताहैविद्यालय ऐसास्थानहैंजहाँ उन्हेंऔपचारिकतथाअनौपचारिकदोनोंतरीकों से ज्ञानप्राप्तहोताहैउन्हेंकुछअनुभवप्राप्तहोतेहैंजो उनके ज्ञानको बढ़ानेमेंमददकरतेहैंस्वास्थ्य शिक्षा से छात्र शारीरिक रूप से

सवस्थहोतेहीहैसाथहीसाथउनकादिमागभीसवस्थहोताहैजिससेवेसभीतरीकों से अपनेजिम्मेदारियोंकोनिभातेहैंस्वास्थ्य शिक्षा छात्रोंकोसिखातीहैकिउन्हेंकिसप्रकार से भोजनकरनाचाहिए अपनीडाइटकोकैसे ध्यान रखनाचाहिए ताकिवेसवस्थ जीवन का आनंदलेसकेंविद्यालय औरपरिवारसमाज की महत्वपूर्णइकाईहैजोसभीव्यक्तियों के स्वास्थ्य एवं उनके कल्याण से जुड़ीहैमातापिता के लिए आवश्यक हैकिवहबालक के कपड़े व सामान्य स्वास्थ्य का निरीक्षणनियमित रूप से करतेरहे।बालक की मनोवृत्तिअवस्थातथाउसकीपरिस्थितियोंको ध्यानमें रखतेहुए उसकेसुधार के लिए आवश्यक निर्देशनदेतेरहेजिससेबालकसरलतापूर्वकअपनीकमियोंकोदूरकरसके।विद्यालय का उत्तरदायित्वहैकिविद्यालय में अध्ययन करनेवालेप्रत्येकविद्यार्थी के शारीरिकमानसिकसामाजिकआत्म का एवंसामाजिकस्वास्थ्य का ध्यान रखेंऔरउन्हेंअपनेस्वास्थ्य के प्रतिजागरूककरनेमेंउनकीमददकरेंआज के के समय में यह आवश्यक होगयाहैकिसर्वप्रथमछात्रों के मनको समझा जाए मनोवैज्ञानिकभावनात्मकबौद्धिक औरआध्यात्मिक रूप से उसकाविकासकियाजाए। माध्यमिक शिक्षा के पाठ्यक्रमस्वास्थ्य शिक्षा का स्थानउसीप्रकारहोनाचाहिए जिसप्रकारविज्ञान की शिक्षा के लिए प्रयोगशालाओं का स्थानहोताहैकुछलोगों का माननाहैकिविज्ञान से निरीक्षण शक्ति की वृद्धि होतीहैअतः विज्ञान का अध्ययन आवश्यक हैपरंतु यह जरूरी नहींहै की विज्ञानविषय हीआवश्यक हैअन्य विषय भीउतनेहीआवश्यक है।तर्क शक्ति के विकास एवंस्मृति शक्ति के विकास के लिए एक सवस्थमस्तिष्क का होनाअत्यंतआवश्यक हैक्योंकिव्यक्ति का मस्तिष्कजितनासवस्थ एवंप्रबलहोगाउसकीस्मरण शक्तिउतनीहीतीव्रहोगीऔरवहअनेकोंनिर्णयोंकोलेनेमें सक्षमहोंगेकल्पना शक्तिभीअनेकमानसिक शक्तियांमें से एक है यह प्राकृतिकआपदाहोतीहै इसे बढ़ाया घटायानहींजासकत।।पाठ्यक्रम के अंतर्गतस्वास्थ्य शिक्षा के होने के साथसाथपाठ्यसहगामीक्रियाओं के द्वाराभीछात्रोंकोस्वास्थ्य शिक्षा दीजासकतीहै।विभिन्नप्रकार की शैक्षिकगतिविधियोंविभिन्नप्रकार की शैक्षिकगतिविधियों एवंपाठ्यसहगामीक्रियाएंजैसे खेलकूद, संगीत की गतिविधियोंवादविवाद, मॉडलबनवाना, कला की गतिविधियाँ ,नृत्य नाटककहानीलेखनप्रतियोगिता ,निबंध लेखनप्रतियोगिताआठग्राफप्रतियोगिता, सस्वरपाठ, प्रदर्शनियों का आयोजनविभिन्नप्रकार के त्योहारोंकोमनानाकुछइनडोरतथाआउटडोरगतिविधियोंइनसभीकोपाठ्यक्रम के अंतर्गतछात्रों के व्यक्तित्वविकास के विभिन्नपहलुओंकोविकसितकरने के लियेविद्यालय स्तरपरकरवायाजासकताहै।

संबंधितसाहित्य का सर्वेक्षण

- कुमारप्रदीप 2019 शारीरिकशिक्षा और खेलमें खेलऔर खेल के बुनियादीढांचे का विकासप्रस्तुत अध्ययन का मुख्य उद्देश्य जानकारी एकत्र करते समय खेलव्यक्तिऔर खेलवैज्ञानिक द्वारापेश की जानेवालीसमस्याओं की पहचानकरनाथा अध्ययन मेंपायागयाकिहमेंपाठ्यक्रम का पुनर्गठनकरनाचाहिये खेलवैज्ञानिककोप्रदान की जानेवालीउत्कृष्ट अनुसंधानसुविधाएंतैयारकरनाऔरनीतियों का उचितकार्यान्वयनचिंता के लिए महत्वपूर्णविषय है इस स्तरपरसभीकमियोंको खत्मकियाजानाचाहिए
- नेशनल एजुकेशनपॉलिसी 2020 के 2.9 के तहत यह कहागयाहैकिसभीविद्यालयोंमेंस्कूलों द्वाराआयोजितनियमितस्वास्थ्य जांचमेंबच्चोंकोभागलेने के लिए प्रेरितकियाजाए तथाबच्चों के लिए स्वास्थ्य कार्डजारीकिए जाएं,बच्चों के पोषणऔरस्वास्थ्य मानसिकस्वास्थ्य सहितकर ध्यानदियाजाए दोपहर के भोजनमेंबच्चोंकोक्रमशः पौष्टिकआहारदियाजाए जहाँ तकसंभवहो पके हुए एवंगर्मभोजन की व्यवस्था की जाए जहाँ यह संभव न होवहाँ साधा लेकिनपौष्टिकविकल्पजैसेगुड़ के साथमूँगफलीगुड़ मिश्रितचना या स्थानीय स्तरपरफलउपलब्ध कराए जासकतेहैंसभीबच्चोंकोविशेष रूप से 100: टीकाकरण के लिए स्कूलोंमेंनियमितस्वास्थ्य जांचकराईजाए औरइसकीनिगरानी के लिए हेल्थकार्डजारीकियाजाए।
- नेशनल एजुकेशनपॉलिसी 2020 में 4.4 के तहत यह कहागयाहैकिसभीस्तरोंपरपाठ्यचर्याऔरशिक्षणविधि का समग्रकेंद्रबिन्दुशिक्षा प्रणालीको रखने की पुरानीप्रथा से अलगवास्तविक समय औरज्ञान की ओरलेजानाहैशिक्षा का उद्देश्य केवलसंज्ञानात्मक समझ न होकरबल्किसंपूर्णचरित्र निर्माणऔरइक्कीसवीं शताब्दी के मुख्य कौशल से सुसज्जितकरनाहैपाठ्यचर्याऔरशिक्षा विधि कोइन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए पुनः तैयारकियाजाए
- नेशनल एजुकेशनपॉलिसी 2020 में 4.5 के तहत यह कहागयाहैकिपाठ्यक्रम के अंतर्गतविषयवस्तुप्रत्येकविश्वमें कम करके इसे बुनियादीचीजोंपरकेंद्रितकियाजाए पाठ्यक्रम के अंतर्गतविभिन्नप्रकार की पाठ्यसहगामीगतिविधियोंजैसे खेलकूदसंवादप्रायोगिकविधियोंरचनात्मकविद्याविभिन्नप्रकार के शारीरिकगतिविधियोंको रखा जाए ताकिछात्रोंमेंपरस्परसहयोगस्वयंनिर्देशितहोकरकार्यकरनास्वअनुशासनतीनभावनाजिम्मेदारीनागरिकताआदिजैसेकौशलविकसितहो सके।
- नेशनल एजुकेशनपॉलिसी 2020 में 4.8 के तहत यह कहागयाहैकिपाठ्यक्रम के अंतर्गत खेलसमन्वयक कक्षा के दौरानहोगाताकिछात्रोंकोफिटनेसको एक आजीवन दृष्टिकोण के रूपमेंअपनानेऔरफिटइंडियामूवमेंटमेंपरिकल्पितकिए गए अनुसारफिटनेस के स्तर के साथसाथसंबंधित जीवन कौशलप्राप्तकरनेमेंमदद मिल सकेशिक्षा में खेलों के समन्वय की आवश्यकताकोपहले की पहचानाजाचुकाहैक्योंकिइससेबच्चों के शारीरिकऔरमनोवैज्ञानिककल्याण के माध्यम से सर्वांगीणविकासहोताहैऔरसंज्ञानात्मक क्षमताभी बढ़ती है।

अध्ययन के उद्देश्य

माध्यमिकस्तर के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रममेंस्वास्थ्य शिक्षा की वर्तमानस्थिती का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना।

अनुसंधानअभिकल्प

अध्ययन विधि

प्रस्तुत अध्ययन हेतुसर्वेक्षणविश्लेषणात्मकविधिएवंसाक्षात्कारविधि का प्रयोगकियागयाहै।

जनसंख्या तथान्यादर्श का चयन

प्रस्तुत अध्ययन हेतुउत्तरप्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के कक्षा 9 कक्षा 10 कक्षा 11 कक्षा 12 के एनसीईआरटी के विज्ञान के विज्ञान के पाठ्यक्रम का चयनगयाहैतथान्यादर्शहेतु माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के पाठ्यक्रममेंस्वास्थ्य शिक्षा का स्थानहेतुपांचविद्यालयों से कुल 30 अध्यापकों का चयनसाक्षात्कारहेतुकियागयाहै ।

परीसीमांकनप्रस्तुत अध्ययन कक्षा 9 तथा 10 कक्षा 11 कक्षा 12 के एनसीईआरटी के विज्ञानपाठ्यक्रमतथापाठ्यसहगामीक्रियाएंतकसीमितहै।

प्रयुक्तउपकरण

अध्ययन हेतु , सर्वेक्षणतथासाक्षात्कारविधि का प्रयोगकियागयाहै।

कक्षा 9 कक्षा 10 कक्षा 11 एवं कक्षा 12 के पाठ्यक्रम का विश्लेषणात्मक अध्ययन

➢ कक्षा 9 के विज्ञान के पाठ्यक्रम के अंतर्गतकुल 15 अध्याय को रखा गयाहैजिसमेकेवलदो अध्याय ऐसेहैंजिसमेंछात्रोंकोस्वास्थ्य के प्रतिजानकारियांदीगईजैसे अध्याय 2 क्याहमारेआसपास के पदार्थ शुद्ध हैं एवं अध्याय 13 हमबीमारक्योंहोतेहैंदो अध्याय के तहतस्वास्थ्य से संबंधितजानकारियांदीगई।

➢ कक्षा 10 के विज्ञान के कार्यक्रम के अंतर्गत 16 अध्याय को रखा गया है जिसके अंतर्गतकेवल एक अध्याय हमारापर्यावरण के तहतस्वास्थ्य संबंधीजानकारियांदीगई है।

➢ कक्षा 11 के विज्ञान के पाठ्यक्रमकोतीनभागोंमेंविभाजितकियागयाहै भौतिकविज्ञानरसायनविज्ञानजीवविज्ञान

- भौतिकविज्ञान के पाठ्यक्रम के अंतर्गतकुल 15 अध्याय को रखा गयाहैजिसकेअंतर्गतस्वास्थ्य संबंधितकोईभी अध्याय शामिलनहींहै
- रसायनविज्ञान के पाठ्यक्रम के अंतर्गतकुल 12 अध्याय को रखा गयाहैजिसकेअंतर्गतभीस्वास्थ्य से संबंधितकोईभी अध्याय शामिलनहींहै
- जीवविज्ञान के पाठ्यक्रम के अंतर्गतकुलस्टीम 15 अध्याय को रखा गयाहैजिसकेअंतर्गत अध्याय सातजिसकाप्रकरणहैप्राणियोंमेंसंरचनात्मकसंगठन अध्याय 12 खनीजपोषण अध्याय 13 प्रकाशसंश्लेषण अध्याय 15 पौधोंमेंपरिवहनकुलचार अध्याय मेंस्वास्थ्य संबंधितकुछजानकारियांदीगईहै।

➢ कक्षा 12 जीविज्ञान के पाठ्यक्रमकोतीनभागोंमेंविभाजितकियागयाहै

- रसायनविज्ञान के कार्यक्रम के अंतर्गतकुल 16 अध्याय को रखा गयाहैजिसकेअंतर्गत अध्याय 16 दैनिक जीवन मेंरसायन का महत्व के अंतर्गतस्वास्थ्य संबंधितजानकारियांदीगईहै
- भौतिकविज्ञान के पाठ्यक्रम के अंतर्गत 15 अध्याय को रखा गयाहैजिसमेंस्वास्थ्य संबंधितकोईभी अध्याय सम्मिलितनहींहै।
- जीवविज्ञान के पाठ्यक्रम के अंतर्गतकुल 16 अध्याय रखा गयाहैजिसकेअंतर्गतमानव जीवन, जनस्वास्थ्य, विकास, मानवस्वास्थ्य तथारोग, मानवकल्याणमेंसूक्ष्म जीव, पर्यावरण के मुददे, जैवप्रौद्योगिकी एवंस्वास्थ्य, पारितंत्र कुल 9 आध्याय स्वास्थ्य से संबंधित रखे गए हैं।

पाठ्यक्रममेंस्वास्थ्य शिक्षा के स्थानपरअध्यापकोंके द्वारादीगईजानकारियां

- पाठ्यक्रममेंस्वास्थ्य शिक्षा से संबंधितविभिन्नगतिविधियोंकरतेहैंजैसे खेलकूद योग आसनबैडमिंटनटेनिसवॉलीबॉलफुटबॉल खो खोकैरम शतरंजनविभिन्नप्रकार की प्रतियोगिताएंजैसेकहानीलिखनावादविवादसमूहपरिचर्चा, स्काउटिंगगाइडिंगमॉडल प्रतियोगिता का आयोजनकरवायाजाताहै।
- पाठ्यक्रममेंवेस्वास्थ्य शिक्षा से संबंधितकईप्रयोगात्मककार्यकरवातेंहै।विज्ञान के अंतर्गतउन्हेंस्वास्थ्य शिक्षा से संबंधितप्रोजेक्टदिए जातेहैं एवंविज्ञानप्रयोगशालामें विज्ञान से संबंधितप्रयोगात्मककार्यकरवायाजातेहैंजिसकेअंतर्गतउन्हेंस्वास्थ्य संबंधितजानकारियांभीदीजातीहै।
- व्यक्तिगततौरपरसुबहसुबह शारीरिकव्यायामकरतेहैजिसकेअन्तर्गतवे योगा के कुछआसान एवंकुछतोसुबहसुबहटहलनेकोअधिक एक महत्वपूर्णमानतेहैं।
- कक्षा मेंभी शारीरिकस्वास्थ्य संबंधितगतिविधियोंकरवातेंहैं एवं उनके सिद्धांत की जानकारीभीउन्हेंदेतेहै
- एकस्वास्थ्य शिक्षा से संबंधितकार्यक्रम के अंतर्गतविद्यालय मेंप्राथमिकचिकित्सा की व्यवस्थाहै एवं समय समय परबाहर से चिकित्सक उनके विद्यालय मेंछात्रों एवंछात्राओं के नियमितजांच के लिए आतेहैं।
- कक्षा मेंस्वास्थ्य सुरक्षा संबंधीअनेकोंप्रोजेक्टदेतेहैंजिसकेअंतर्गतछात्रोंमेंहोनेवाली सामान्य बीमारियों से संबंधितप्रोजेक्ट योगा से संबंधितप्रोजेक्टहैं शामिलहै।
- विद्यालयोंमेंकिसीभीछात्र को यदिपरामर्श की आवश्यकताहोतीहैतोउसेव्यक्तिगत

परामर्शकरतेहैं यदिउसकेनिर्देशन की आवश्यकताहोतीहैतोवेउसे समय समय पर निर्देशनदेतेहैं यदिकिसीविद्यार्थीकोकोईव्यक्तिगतसमस्याभीहोतीहैतोवहउसकी समस्या का समाधानकरतेहैं।

- छात्रोंकोस्वास्थ्य शिक्षा से संबंधितजानकारीदेने के लिए समय समय परअनेकों प्रकार के प्रजेंटेशनतथादूरदर्शनरेडियो एवंटेलीविजन के द्वाराकईकार्यक्रम एवं गतिविधियोंकराईजातीहै।
- अध्यापकों ने स्वास्थ्य शिक्षा से संबंधितकईसुझाव दिए निम्नहै पाठ्यक्रममेंस्वास्थ्य शिक्षा का औरअधिकस्थानहोनाचाहिए।इसमेंस्वास्थ्य शिक्षा के साथसाथपाठ्यसहगामीक्रियाएंकोभीअधिकस्थानदेनाचाहिए।विज्ञान के अतिरिक्तइनविषयोंमेंभीमेंभीपाठ्यक्रम के बारेमेंजानकारीदेनीचाहिए। शारीरिकशिक्षा कोभीपाठ्यक्रममेंस्थानदेनाचाहिए विद्यालयों मे प्राथमिकस्वास्थ्य शिक्षा की व्यवस्थाहोनीचाहिए।
- पाठ्यक्रममेंस्वास्थ्य शिक्षा से संबंधितसुधारहेतु अध्यापकों ने कुछबिंदुबतायेपाठ्यक्रम के अंतर्गतप्रत्येकविषय मेंस्वास्थ्य संबंधितऔरअधिक इस प्रकरणकोजोड़ाजाए ।तरहतरह के स्वास्थ्य संबंधीकार्यक्रमविद्यालय मेंकरायाजाए।

निष्कर्ष

कक्षा 9 कक्षा 10 कक्षा 11 एवं कक्षा 12 के एन सीईआरटीविज्ञान के पाठ्यक्रम का विश्लेषणकरनेपर यह निष्कर्षआताहैछात्रों के पाठ्यक्रम के अंतर्गतस्वास्थ्य शिक्षा को रखने की अत्यंतआवश्यकताहैविद्यालय की औपचारिकशिक्षा के अंतर्गतहीविद्यार्थीपूर्ण रूप से शिक्षा ग्रहणकरतेहैं यदिऔपचारिकशिक्षा के दिए जानेवालेपाठ्यक्रम के केअंतर्गतस्वास्थ्य शिक्षा से संबंधितप्रकरणनहीं रखेजाएंगेछात्रोंको शारीरिकमानसिकआध्यात्मिकस्वास्थ्य की जानकारीकैसेप्राप्तहोगीविद्यालय मेंबहुतसारेपाठ्यसहगामीक्रियाएंभीकरवाईजातीजिसके द्वाराछात्रोंकोस्वास्थ्य संबंधीजानकारियां एवं उनके स्वास्थ्य का विकासभीकियाजासकताहै।विद्यालय मेंहोनेवालीपाठ्यसहगामीक्रियाओंमेंक्रियाओं का विश्लेषणकरनेहेतुदोविद्यालयों के अध्यापकों से इंटरव्यू के तहत यह जानकारीदीगयीकिकौनकौनसीपाठ्यसहगामीक्रियाएंहैंजो उनके विद्यालयोंमेंअनिवार्य रूप से कराईजाती अध्यापकों के द्वारादीगईजानकारी के तहत उनके विद्यालय में शारीरिकविकाससंबंधीपाठ्यसहगामीक्रियाएंजैसेव्यायाम,परेड, एनसीसी, खेलकूदसाइकिलदौड़ योगासनजिमनास्टिकबागवानीकरवाईजातीहै शैक्षिकविकाससंबंधितपाठ्यसहगामीक्रियाएंजैसेवादविवादप्रतियोगिता ने निबंध प्रतियोगिता, भाषण,नाटकपुस्तकालय कार्यविभिन्नविषयों के क्लबअतिथिभाषणगतिविधियोंकराईजातीहैसमाजकल्याणसंबंधीकुछपाठसहगामीक्रियाएंजैसेप्रातवंदनास्काउटिंगगाइडिंग एनएसएसप्राथमिकउपचारगतिविधियाँ कराए जातेहैंकुछकला एवंविकाससंबंधीगतिविधियाँ भीकराईजातीहैजैसेचित्रकलाप्रतियोगिताचार्टएवंमॉडलप्रतियोगितालोकनृत्य सांस्कृतिककार्यक्रमविविध वेशभूषाप्रतियोगिता, शैक्षिकभ्रमणसम्बन्धितकुछपाठ से आगामीक्रियाएंहोतीहैजैसे ऐतिहासिकस्थलों का भ्रमणसंग्रहालय एवंचिड़ियाघर का भ्रमण शैक्षिकसंस्थाओं का ब्राह्मणभ्रमणकारखानों एवंउद्योगों का भ्रमणकुछअभिरुचि के विकाससंबंधीपाठ्यसहगामीक्रियाएंभीकरवाईजातीहैजैसेसाहित्यिककार्यक्रमसंगीतप्रतियोगिताएंफोटोग्राफीवॉलमैगजीन फ्लावरडेकोरेशन ये सभीगतिविधियाँ विद्यालयोंमेंपाठ्यसहगामीक्रियाओं के अंतर्गतसुचारु रूप से करवाईजातीहै।

संदर्भ

- कुमार, प्रदीप(2019). शारीरिकशिक्षा और खेलमें खेलऔर खेल के बुनियादीढांचे का विकास ,*इंटरनेशनलजर्नलऑफफिजिकल एजुकेशन एंडस्पोर्ट्ससाइंस,* वॉल्यूम 14
- त्रिपाठी, जयनारायण (2021). माध्यमिक शिक्षा स्तरपर योगशिक्षा का विद्यार्थियों के व्यक्तिगतनैतिकमूल्य स्वास्थ्य परप्रभाव एक अध्ययन ,*शोध गंगा*
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति(2020) *मानवसंसाधनविकाससमंत्रालय भारतसरकार* अध्याय 4 पृष्ठ संख्या 18
- गुप्ता, एसपी(2015)भारतीय शिक्षा का इतिहासविकास एवंसमस्याएँ, *शारदापुस्तक भवन*इलाहाबाद।
- सोनी, प्रकाशओम(2013). विद्यालय प्रशासनसंगठन एवंस्वास्थ्य शिक्षा ,*रस्तोगी पब्लिकेशन,*मेरठ।
- शैरी, जीपी(2016).स्वास्थ्य शिक्षा, *अग्रवालपब्लिकेशन*आगरा।
- गुप्ता, बाबूराम(2015).विद्यालय प्रशासनसंगठन एवंस्वास्थ्य शिक्षा, *आलोकप्रकाशन।*
- सुखिया, एस पी(2014). विद्यालय प्रशासनसंगठन एवंस्वास्थ्य शिक्षा ,*अग्रवाल पब्लिकेशन।*
- अश्विना(2019)विज्ञान9 *एनसीईआरटीपब्लिकेशन*नईदिल्ली
- पौसा(2019)विज्ञान10 *एनसीईआरटीपब्लिकेशन*नईदिल्ली।
- वैशाखा (2016)रसायनविज्ञान 11 *एनसीईआरटीपब्लिकेशन*नईदिल्ली।

*Corresponding Author: Mrs. Meenakshi Srivastava

- वैशाखा (2016) जीवविज्ञान 11 *एनसीईआरटीपब्लिकेशन्स*नईदिल्ली।
- मेधा (2009)भौतिकविज्ञान11 *एनसीईआरटीपब्लिकेशन्स*नईदिल्ली।
- चित्रा (2007)भौतिकविज्ञान12 *एनसीईआरटीपब्लिकेशन्स*नईदिल्ली
- कार्तिका(2013)जीवविज्ञान12 *एनसीईआरटीपब्लिकेशन्स*नईदिल्लीद्य
- रोसा(2007)रसायनविज्ञान 12 *एनसीईआरटीपब्लिकेशन्स*नईदिल्ली।
- अन्य ईसंसाधन

http://sodhganga.inflibnet.ac.in
http://www.reviewofresearch.edu.in
https://ncert.nic.in/pdf/h_focus_group/Swasth%20Aur%20Sharirik%20Shiksha.pdf